Dainik Bhaskar (Indore), 25th April 2023, Page-04

किसानों के लिए शोध करने के उद्देश्य से

सीआईएई और आईआईटी इंदौर के बीच हुआ अनुबंध

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर द्वारा गत सप्ताह कृषि इंजीनियरिंग, ग्रामीण विकास और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी जैसे क्षेत्रों में बेहतर प्रयासों और नॉलेज शेयरिंग के लिए केंद्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान (CIAE), भोपाल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से शैक्षणिक कार्यक्रम, शोध, प्रशिक्षण और कौशल विकास के कार्यक्रम और एक-दूसरे को विविध क्षेत्रों में परामर्श दे सकेंगे।

अनुबंध पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी और आईसीएआर-सीआईएई के निदेशक डॉ. सीआर मेहता ने हस्ताक्षर किए। प्रो. जोशी ने कहा- यह एमओयू इंजीनियरिंग, विज्ञान और मानविकी के क्षेत्रों में आईसीएआर-सीआईएई द्वारा अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से खेती और कृषि क्षेत्र में योगदान करने के लिए आईआईटी इंदौर के विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में भी सीएई के साथ आईआईटी के कई संयुक्त प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिसमें किसानों के लिए उपयुक्त तकनीक बनाने और उसे लागू करने पर काम किया जा रहा है। इन प्रोजेक्ट के माध्यम से कई काम किए जा रहे हैं, जिसमें बायोप्लास्टिक का विकास, खेतों पर मशीनों के इस्तेमाल, पैडी में हो रही बीमारियों की रियल टाइम पहचान करना, सोयाबीन आधारित प्रोबायोटिक का आकलन, सुपरएब्जॉर्बेंट एग्री-जेल का विकास, जमीन के ऊपर बायोमास का सटीक अनुमान, किसानों के लिए मोबाइल एप, जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं।

आईआईटी इंदौर और सीआईएई के मिले-जुले प्रयासों के परिणामस्वरूप आने वाले समय में समाज और विशेष रूप से किसानों के लिए कुछ बेहतरीन पथ प्रदर्शक शोध और टेक्नोलॉजी निकलकर आने की उम्मीद है। आयोजन सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी ने किया था। समारोह के दौरान डॉ. देबायन सरकार, पीआईसी-सीआरडीटी और प्रोफेसर संदीप चौधरी, डीन एडमिनिस्ट्रेशन भी उपस्थित थे।